**भारत सरकार**

**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय**

**पशुपालन और डेयरी विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या- 371**

**दिनांक 30 नवम्बर, 2021 के लिए प्रश्न**

पशुधन हेतु चारे की कमी

371. डॉ. थोल तिरुमावलवनः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को भारतीय पशुधन के लिए सूखे चारे, हरे चारे और सांद्रित चारे की कमी की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और डेयरी उत्पाद पर इसका क्या प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है;

(ग) क्या सरकार के पास समयबद्ध अवधि में कमी को पाटने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री**

**(श्री परशोत्तम रूपाला)**

(क) और (ख) कृषि संबंधी स्थायी समिति की 34 वीं रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2020 में देश में सूखे चारे, हरे चारे तथा सांद्रण की क्रमश: 530 मिलियन टन, 880 मिलियन टन तथा 96 मिलियन टन की आवश्यकता के मुकाबले इनकी क्रमश: 408 मिलियन टन, 596 मिलियन टन तथा 61 मिलियन टन उपलब्ध है और ड्राई मेटर आधार पर 23% सूखे चारे, 32% हरे चारे तथा 36% सांद्रण की कमी है। वर्ष 2025 तक सूखे चारे, हरे चारे तथा सांद्रण की क्रमश: 23%, 40% तथा 38% कमी हो जायेगी। चारे की कमी दूध उत्पादन और इस प्रकार डेयरी उत्पाद को प्रभावित करेगी।

(ग) और (घ) संघ सरकार ने राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के साथ मिलकर विभिन्न चल रही योजनाओं, नामत: आहार और चारा विकास संबंधी उप-मिशन के साथ राष्ट्रीय पशुधन मिशन तथा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के माध्यम से चारे की कमी को पूरा करने के लिए पहले ही आवश्यक कदम उठा लिए हैं। इन योजनाओं के अन्तर्गत, सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को उनके द्वारा बनाए गए विभिन्न चारा विकास संबंधी कार्यकलापों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

******